राजभाषा विभाग—सत्र 1

परीक्षण के लिए

लेखन-बोधन पुस्तिका

(हिंदी लिपि पुस्तक)

भाग 1

निर्माण
विजयराघव रेड्डी
शकुन्तला रेड्डी

संयोजन संपादन
अमर बहादुर सिंह

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

राजभाषा विभाग—सत्र 1

लेखन-बोधन पुस्तिका

(हिंदी लिपि पुस्तक)

भाग 1

निर्माण

विजयराघव रेड्डी

शकुन्तला रेड्डी

संयोजन संपादन

अमर बहादुर सिंह

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

मूल्य : रु० 6·50

मेहरा आफसेट प्रेस, आगरा-282 003

आमुख

केंद्रीय हिंदी संस्थान पिछले कई वर्षों से द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी के शिक्षण, शिक्षण सामग्री निर्माण, शिक्षण-प्रणाली के विकास आदि की दृष्टि से हिंदी के संरचनात्मक तथा अन्य भाषाओं के साथ हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र में कार्य करता आ रहा है। संस्थान ने सेवा माध्यम के रूप में हिंदी शिक्षण के लिए भी कई पाठ्यक्रमों से संबंधित अनुस्तरित एवं प्रौढ़ मनोविज्ञान के अनुकूल सामग्री का निर्माण किया है। इस दिशा में केंद्रीय सरकार के अधिकारियों तथा बैंक अधिकारियों के लिए चलाए जा रहे पाठ्यक्रम उल्लेखनीय हैं।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) के अंतर्गत चल रही हिंदी शिक्षण योजना के पाठ्यक्रम को नया रूप देने के संबंध में हिंदी शिक्षण योजना की पुनरीक्षण समिति ने सिफारिश की थी। तदनुसार संशोधित पाठ्यक्रम के चार सत्रों के लिए शिक्षण सामग्री तैयार करने का दायित्व संस्थान को सौंपा गया है।

इस सामग्री का निर्माण कार्य केंद्रीय हिंदी संस्थान के सामग्री निर्माण तथा अनुसंधान विभाग में किया गया है। सामग्री निर्माण करते समय इस पाठ्यक्रम के प्रयोक्ता (सरकारी अधिकारी) की दैनंदिन स्थितियों, प्रयोजनमूलकता तथा प्रौढ़ों की रुचि को विशेष रूप से ध्यान में रखा गया है। इस कार्य में हमें भारत सरकार के हिंदी सलाहकार तथा राजभाषा विभाग के सचिव, श्री रमाप्रसन्न नायक के परामर्श और मार्गदर्शन से बहुत लाभ हुआ है। संस्थान उनके प्रति आभार व्यक्त करता है। आशा है कि प्रस्तुत सामग्री अपने निश्चित उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगी।

यह सामग्री अभी प्रायोगिक स्तर पर है। भाषा शिक्षण की वास्तविक स्थितियों और प्रयोगकर्ताओं (अध्यापक तथा प्रतिभागी) की प्रतिक्रियाओं और सुझावों के अनुसार इसमें आवश्यक संशोधन-परिवर्धन करके इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। सामग्री की समीक्षा और इसे और अधिक उपयोगी बनाने की दिशा में प्राप्त सुझावों का हम स्वागत करेंगे।

दीपावली, 1977

(गोपाल शर्मा)
निदेशक

भूमिका

भाषा एक कौशल प्रधान विषय है और जब तक भाषा के चार प्रमुख कौशलों-श्रवण, भाषण, लेखन तथा वाचन का समेकित रूप में विकास नहीं होता तब तक भाषा का ज्ञान अधूरा रहता है। प्रस्तुत पाठ्य-सामग्री द्वारा भाषा के इन्हीं कौशलों को सुनियोजित ढंग से विकसित करने का प्रयास किया गया है। भाषा शिक्षण स्वयं में कोई समस्या नहीं रह गयी है। समस्या यदि कोई है तो वह भाषा को उचित परिप्रेक्ष्य में एवं सही संदर्भों में प्रस्तुत करने की है। इस दृष्टि से प्रस्तुत पाठ्य-सामग्री में लक्ष्य भाषा हिंदी के तीनों आयामों--भाषिक, सामाजिक एवं विषयगत--के बीच उचित संतुलन एवं सही समन्वय स्थापित करने की चेष्टा की गयी है। हिंदी शिक्षण योजना (राजभाषा विभाग, गृह-मंत्रालय, भारत सरकार) की पुनरीक्षण समिति द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की श्रृंखला में प्रथम सत्र (100 घंटे 6 मास) की पाठ्य-सामग्री प्रस्तुत करते हुए मुझे परम हर्ष हो रहा है। यह पाठ्य-सामग्री केंद्रीय हिंदी संस्थान के सामग्री निर्माण तथा अनुसंधान विभाग में तैयार की गयी है। यह समस्त सामग्री प्रायोगिक स्तर पर है और इसका प्रयोग करने के पश्चात् अध्यापकों एवं विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों को दृष्टि में रखते हुए इसे अन्तिम रूप दिया जाएगा।

प्रथम सत्र की यह सामग्री चार पुस्तिकाओं में विभाजित है --(1) पाठ्य-पुस्तक (2) अभ्यास-पुस्तिका (3) उच्चारण पुस्तिका एवं (4) लेखन-बोधन पुस्तिका।

प्रस्तुत **लेखन-बोधन पुस्तिका** में देवनागरी लिपि को सिखाने का प्रयास तथा लेखन का अभ्यास कराया गया है। जहाँ लिपि चिह्नों को उनके आकार के आधार पर विभिन्न वर्गों में विभक्त करके प्रस्तुत किया गया है।

पाठों के क्रम निर्धारण में और पाठों की सामग्री प्रस्तुत करते समय निम्नलिखित बातों पर विशेष रूप से बल दिया गया जिससे कि लेखन और वाचन के सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सके।

(1) समान रेखा खंडों की सहायता से बनने वाले वर्ण एक साथ (जहाँ तक हो सके एक ही पाठ में) सिखाए जाएँ, जिससे कि सीखने वाला उन्हें आसानी से सीख सके।

(2) थोड़ी भिन्नता से समान दिखने वाले वर्णों को एक साथ (जहाँ तक हो सके एक ही पाठ में) सिखाए जाएँ, जिससे कि सीखने वाला उनके अंतरको भलीभाँति समझ सके तथा संभावित त्रुटियों से अपने को बचा सके।

(3) पूर्व पाठों में सिखाए गए वर्णों और मात्राओं का प्रयोग आगे के पाठों में कराया गया है, जिससे सीखने वाला सीखे हुए वर्णों और मात्राओं आदि की पुनरावृत्ति कर सके तथा अभ्यास कर सके।

सामग्री निर्माण तथा अनुसंधान विभाग
आगरा-282 005

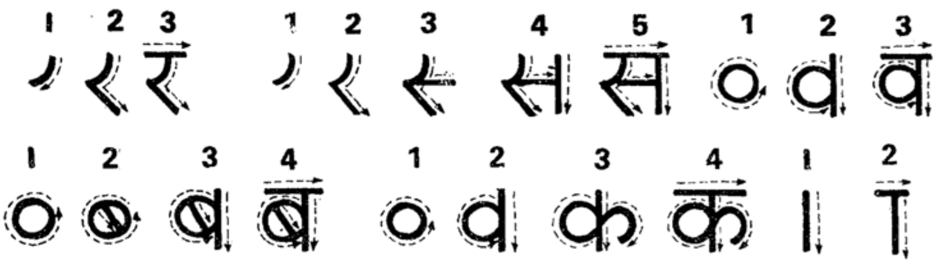
(अमर बहादुर सिंह)
प्रोफ़ेसर

विषय सूची

पाठ 1

र स व ब क ा

I.



II. र स व ब क ा

III

र स

व ब क ा

IV. र+ा=रा स+ा=सा व+ा=वा ब+ा=बा क+ा=का

V.

रस वर सर रव बक कर कब सब

सक कस रास सार वार राव बार सास

सासर बारबार बराबर कसर बसर सारा

बाबा काका बरकरार सबक कबर सवा

VI.

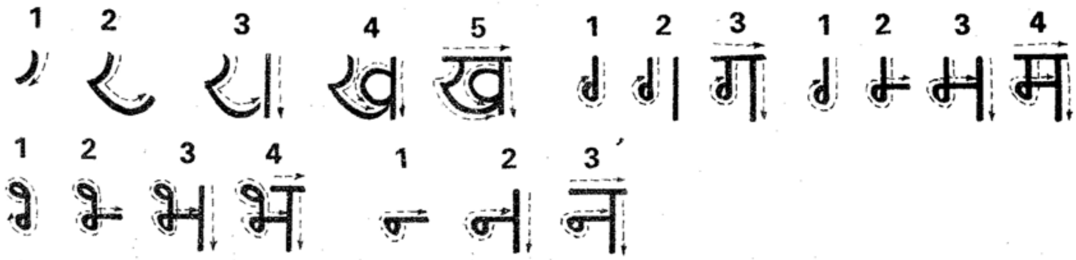
रस सर वर रव बक कब कर सब बस सक
कस रास सार वार राव बार सास सासर बार
बार बराबर कसर बसर सारा बाबा काका बरकरार सबक
कबर सवा करार सरकस, सरासर सरकार, बकरा रकाब

सब कर
सारा कर
बराबर कर
बार बार कर
बस कर

पाठ 2



I.



II. ख ग म भ न

III.

ख ग म

भ न

IV. ख+ा=खा ग+ा=गा म+ा=मा भ+ा=भा न+ा=ना

V.

खास खबर गम मन गरम नरम भर

कम नाम भार नाना खाना खास

रग रग गाना सभा नगर नमक

कामना मनाना मामा वरना मगर

VI.

खास खबर गम मन गरम नरम भर कम नाम
भार नाना खाना साख गाना सभा नगर नमक कामना
मनाना माना वरना मगर रग रग

गाना गाना
नाम कमाना
खाना बनाना
गरम गरम खाना खा ।
मार न खा ।
सारा काम कर ।
सरकार का काम कर ।

पाठ 3

उ ऊ अ आ ओ औ ु ू

I.



II. उ ऊ अ ओ औ ु ू

III.

उ उ ऊ ऊ अ अ आ आ

ओ ओ औ औ ु ु ू ू

IV.

र+ु=रु स+ु=सु ब+ु=बु क+ु=कु ख+ु=खु

ग+ु=गु म+ु=मु भ+ु=भु न+ु=नु

र+ू=रू स+ू=सू ब+ू=बू क+ू=कू ख+ू=खू

ग+ू=गू म+ू=मू भ+ू=भू न+ू=नू

V.

उस उन ऊन ऊसर असर खाऊ

आम ओर और आओ गाओ आना खाओ

अवसर अरमान आसन अभागा रुकना

रुक सुन सुनाओ बुन बुनना गुरु भुन

VI.

उस उन ऊन ऊपर असर खाऊ आम ओर और
आओ गाओ आना खाओ अवसर अरमान आसन अभागा
रुक रुकना सुन सुनना सुनाओ बुन बुनना गुरु भुन पुकार
गुमान मुबारक कुरबान खून नाखून

वार करना
काम करना
नाम कमाना
खूब सोओ ।
गरम गरम खाना खाओ ।
सरगम गाओ ।

पाठ 4

प फ च ज श ो ौ

I.

प फ च

ज श ो ौ

II.

प फ च ज श ो ौ

III.

प प प फ फ फ च च च

ज ज ज श श श ो ो ो ौ ौ ौ

IV.

र+ ो=रो स+ ो=सो ब+ ो=बो क+ ो=को ख+ ो=खो

ग+ ो=गो म+ ो=मो भ+ ो=भो न+ ो=नो

र+ ौ=रौ स+ ौ=सौ ब+ ौ=बौ क+ ौ=कौ ख+ ौ=खौ

ग+ ौ=गौ म+ ौ=मौ भ+ ौ=भौ न+ ौ=नौ

प+ा=पा फ+ा=फा च+ा=चा ज+ा=जा श+ा=शा

प+ ु=पु फ+ ु=फु च+ ु=चु ज+ ु=जु श+ ु=शु

प+ ू=पू फ+ ू=फू च+ ू=चू ज+ ू=जू श+ ू=शू

प+ ो=पो फ+ ो=फो च+ ो=चो ज+ ो=जो श+ ो=शो

प+ ौ=पौ फ+ ौ=फौ च+ ौ=चौ ज+ ौ=जौ श+ ौ=शौ

चोर चौक कामकाज आसमान

VI.

पान बाप सफर नफा वफा पापा चार चुप चूना
शक काश शाप पाश नाश आशा शुक शूर सूअर खुशबू
कूप भूख नूपुर जसराज जवाब जमाना जुरमाना जून जोर
जौ पोर पौन शोर शौक चोर चौक कामकाज आसमान अनुपम

अनुपम अवसर
सफरनामा
भूखा जसराज
शोर न कर ।
चोरी न करो ।
पाप न करो ।
जून मास का काम अब करो ।

पाठ 5

य थ घ ध

I. 1 2 3 4 य   1 2 3 4 थ   1 2 3 4 घ

1 2 3 4 ध

II. य थ घ ध

III.

य य य   थ थ थ   घ घ घ

ध ध ध

IV.

य+ा=या	थ+ा=था	घ+ा=घा	ध+ा=धा
य+ु=यु	थ+ु=थु	घ+ु=घु	ध+ु=धु
य+ू=यू	थू+ू=थू	घ+ू=घू	ध+ू=धू
य+ो=यो	थ+ो=थो	घ+ो=घो	ध+ो=धो
य+ौ=यौ	थ+ौ=थौ	घ+ौ=घौ	ध+ौ=धौ

V.

यश थाम माथा घर धन धान जय

रघुनाथम गुरुनाथ युवक यूनान घूस

घूरना धूप धूसर धोबी धोनाथोकयौवन

थिरकना धमकाना घुमाना घूमना थान

यश थाम माथा घर धन धान जय रघुनाथम गुरुनाथ युवक यूनान घूस घूरना धूप धोबी धोना थोक यौवन थिरकना धमकना घुमाना घूमना थान थाप थपथपाना योगासन

जय जयकार

आम राय

थम थमाना

कामकाज का समय

भोर का समय

थोक भाव

कोरा कागज

यौगिक रूप

जसराज आधा काम कर गया ।

पाठ 6

ड ड़ इ ई झ ि ी

I. ड ड़ इ

ई झ ि ी

II. ड ड़ इ ई झ ि ी

III.

ड ड़ इ

ई झ ि

ी

IV.

डर बड़ा इधर इस ईसाई बार

भाई खाई काई झरना रम बड़ा

जमाना साथ मामी भरना डूबना

झूमना उमर सूर रूस जानवर

डरावना गुड़िया अनाड़ी कई कोई

V.

र+ि=रि स+ि=सि व+ि=वि ब+ि=बि क+ि=कि

ख+ि=खि ग+ि=गि म+ि=मि भ+ि=भि न+ि=नि

प+ि=पि फ+ि=फि च+ि=चि ज+ि=जि श+ि=शि

य+ि=यि थ+ि=थि घ+ि=घि ध+ि=धि

र+ ी=री स+ ी=सी व+ ी=वी ब+ ी=बी क+ ी=की
ख+ ी=खी ग+ ी=गी म+ ी=मी भ+ ी=भी न+ ी=नी
प+ ी=पी फ+ ी=फी च+ ी=ची ज+ ी=जी श+ ी=शी
य+ ी=यी थ+ ी=थी घ+ ी=घी ध+ ी=धी

ड+ ा=डा	ड़+ ा=ड़ा	झ+ ा=झा
ड+ ु=डु	ड़+ ु=ड़ु	झ+ ु=झु
ड+ ू=डू	ड़+ ू=ड़ू	झ+ ू=झू
ड+ ो=डो	ड़+ ो=ड़ो	झ+ ो=झो
ड+ ौ=डौ	ड़+ ौ=ड़ौ	झ+ ौ=झौ
ड+ ि=डि	ड़+ ि=ड़ि	झ+ ि=झि
ड+ ी=डी	ड़+ ी=ड़ी	झ+ ी=झी

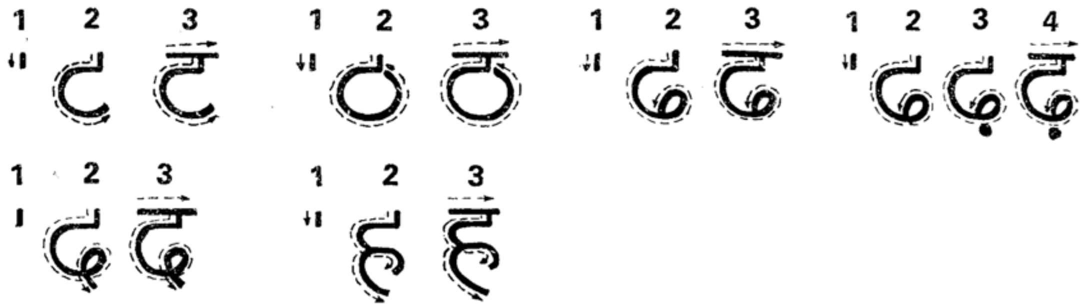
डर बड़ा इधर इस ईसाई बार भाई खाई काई झरना रम बड़ा जमाना साथ मामी भरना डूबना झूमना उमर सूर रूस जानवर डरावना गुड़िया अनाड़ी कई कोई बाढ़ मसूर कसूर कई कोई बड़ी घड़ी

कसूर न कर ।
मुरारी घर जाओ ।
गिरीश डमरू बजाओ ।
ऊनी कपड़ा न फाड़ो ।
कोई न कोई इधर आओ ।
उधर कोई न जाओ ।
अब इधर आना मना ।

पाठ 7

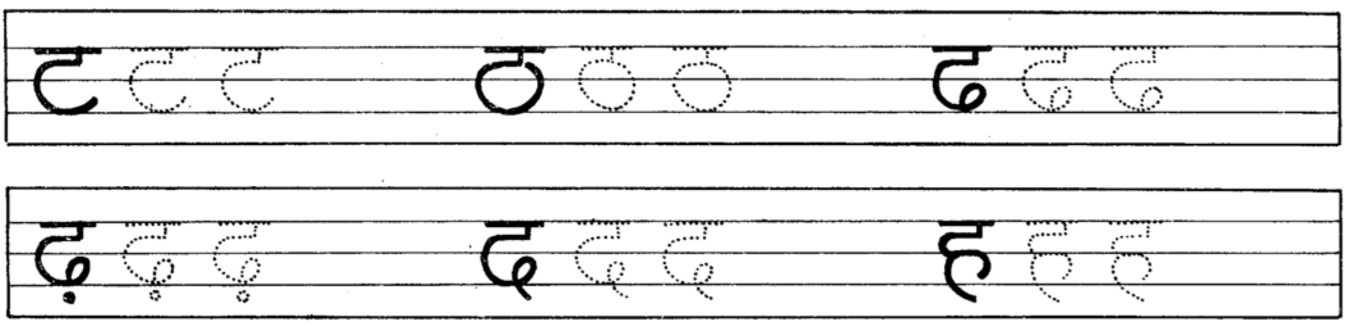


I.



II. ट ठ ढ ढ़ द ह

III.



IV.

ट+ ा=टा	ठ+ ा=ठा	ढ+ ा=ढा
ढ़+ ा=ढ़ा	द+ ा=दा	ह+ ा=हा
ट+ ु=टु	ठ+ ु=ठु	ढ+ ु=ढु
ढ़+ ू=ढ़ू	द+ ू=दू	ह+ ू=हू
ट+ ो=टो	ठ+ ो=ठो	ढ+ ो=ढो
ढ़+ ो=ढ़ो	द+ ो=दो	ह+ ो=हो
ट+ ौ=टौ	ठ+ ौ=ठौ	ढ+ ौ=ढौ
ढ़+ ौ=ढ़ौ	द+ ौ=दौ	ह+ ौ=हौ
ट+ि =टि	ठ+ि =ठि	ढ+ि =ढि
ढ़+ि =ढ़ि	द+ि =दि	ह+ि =हि
ट+ ी टी	ठ+ ी=ठी	ढ+ ी=ढी
ढ़+ ी=ढ़ी	द+ ी=दी	ह+ ी=ही

टमाटर ठाठ अढ़ाई दाम टिमटिम

ठिठुरन ठीक ठिकाना ठहर मटर

बढ़िया बाढ़ ठाकुर दीपक विनय

बिक किराया सीख रिमझिम सिखाई

सिसकी अमीना आदमी मिनट

मियाद बुनियाद जुगनू शिकायत

टमाटर ठाठ ढाई अढ़ाई दाम टिमटिम ठिठुरन ठीक ठिकाना बूढ़ा ठहर मटर बढ़िया बाढ़ दीपक विनय बिक किराया सीख रिमझिम सिखाई सिसकी अमीना आदमी मिनट मियाद बुनियाद जुगनू शिकायत ठाकुर

खून पसीना
निवाड़ की खाट
बिक जाना
भाई मोटर पर आया था ।
बहन आज आयी थी ।
आज शाम राधा घर आयी थी ।
घर पर सब ठीक ठाक था ।
उसका भाई पढ़ रहा था और
बहिन रमा भी पढ़ रही थी ।
बड़ी घड़ी पहन कर घर जाओ ।

पाठ 8



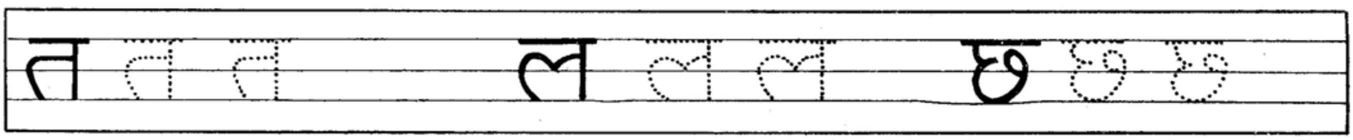
I.

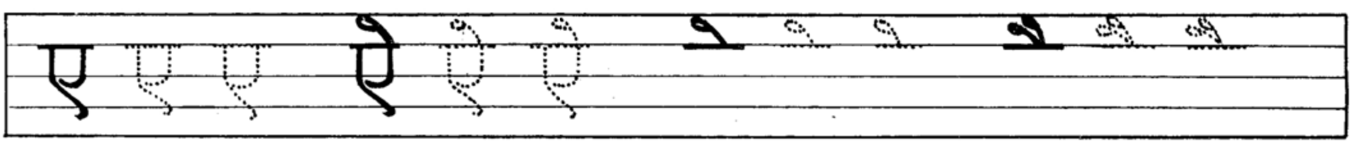


II.

त ल छ ए ऐ े ै

III.





IV.

र + े = रे	स + े = से	व + े = वे	ब + े = बे	क + े = के
ख + े = खे	ग + े = गे	म + े = मे	भ + े = भे	न + े = ने
प + े = पे	फ + े = फे	य + े = ये	थ + े = थे	घ + े = घे
ध + े = धे	श + े = शे	ज + े = जे	ड + े = डे	ड़ + े = ड़े
झ + े = झे	ट + े = टे	ठ + े = ठे	ढ + े = ढे	ढ़ + े = ढ़े
द + े = दे	ह + े = हे			
र + ै = रै	स + ै = सै	व + ै = वै	ब + ै = बै	क + ै = कै
ख + ै = खै	ग + ै = गै	म + ै = मै	भ + ै = भै	न + ै = नै
प + ै = पै	फ + ै = फै	य + ै = यै	थ + ै = थै	घ + ै = घै
ध + ै = धै	श + ै = शै	ज + ै = जै	ड + ै = डै	ड़ + ै = ड़ै
झ + ै = झै	ट + ै = टै	ठ + ै = ठै	ढ + ै = ढै	ढ़ + ै = ढ़ै
द + ै = दै	ह + ै = है			

त + ा = ता	ल + ा = ला	च + ा = चा	छ + ा = छा
त + ु = तु	ल + ु = लु	च + ु = चु	छ + ु = छु
त + ू = तू	ल + ू = लू	च + ू = चू	छ + ू = छू
त + ि = ति	ल + ि = लि	च + ि = चि	छ + ि = छि
त + ी = ती	ल + ी = ली	च + ी = ची	छ + ी = छी
त + े = ते	ल + े = ले	च + े = चे	छ + े = छे
त + ै = तै	ल + ै = लै	च + ै = चै	छ + ै = छै

माता पिता चालान चाल

अबला छम छम छानना छीनना

एक एकक ऐनक तेल रेल

टेबिल लेबिल चैत औरत तीन

लीना चीन चीनी बेल बैल देखिए

जेल झेल थैला थैली पैसा कैसा

कैसे वैसा वैसे एकनाथ वाजपेयी

माता पिता चालान चाल अबला छम छम छानना छीनना
एक एकक ऐनक तेल रेल टेबिल लेबिल चैत औरत
तीन लीना चीन चीनी बेल बैल देख देखिए जेल झेल
थैला थैली पैसा कैसा कैसे वैसा वैसे एकनाथ वाजपेयी
छुआछूत लैला है

रेल विभाग

आप हमारे साथ चलिए।
चपरासी आज अवकाश पर है।
वह कल तक आ जायगा।
लड़के के पास एक रुपया है।
कल मेरे घर कोई आदमी आया था।
वह भूत-सा लग रहा था।
उसे देख कर आस-पड़ोस के लोग बहुत डर गये।
लोग भाग कर दुबक गये।
इसी बीच पुलिस आयी।
उसे पकड़ कर ले गयी।

पाठ 9

ङ ष ञ ण ऋ ृ

I.

1 2 3 4 1 2 3 4 1 2 3 4

ङ ष ञ

1 2 3 1 2 3 4 5

ण ऋ

II.

ङ ष ञ ण ऋ ृ

III.

ङ ङ ङ ष ष ष ञ ञ ञ

ण ण ण ऋ ऋ ऋ ृ ृ ृ

IV.

स+ृ=सृ	व+ृ=वृ	ब+ृ=बृ	क+ृ=कृ
ख+ृ=खृ	ग+ृ=गृ	म+ृ=मृ	भ+ृ=भृ
न+ृ=नृ	प+ृ=पृ	घ+ृ=घृ	ध+ृ=धृ
श+ृ=शृ	ह+ृ=हृ	द+ृ=दृ	त+ृ=तृ

खाल खबर कृपा कृषि ऋषि गुण

तृण खोल खौल तोल तौल चोर

छोर टोकरी दो डोल योग यौगिक

थोक घोड़ा धोना शोर जोर

गोपाल गौण मोर मौन भोर नोट

नौकर पोखर कोई कौन

खाल खबर कृपा कृषि ऋषि गुण तृण खोल ख़ौल तोल
तौल चोर छोर टोकरी दो डोल योग यौगिक थोक
घोड़ा धोना शोर जोर गोपाल गौण मोर मौन भोर
नोट नौकर पोखर कोई कौन निदेशालय

अवकाश पर

काम पर

अनुभाग अधिकारी

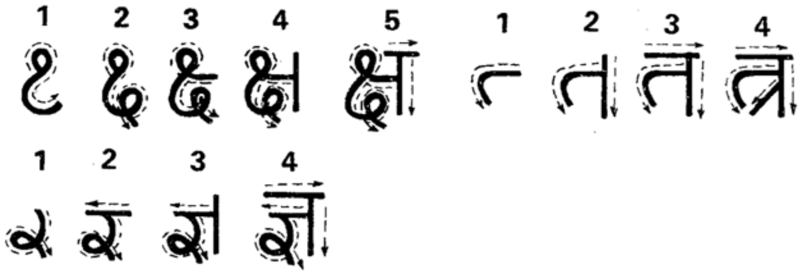
दीवानी कचहरी

मेरे बचपन की बात है। मेरे चाचा ज़ी रोज दैनिक अखबार पढ़ते थे। एक दिन अखबारवाला बड़ी देर तक न आया। चाचा जी बेचैन हो उठे। मुझसे कहा, तुम अभी चले जाओ, मेरे लिए अखबार लाओ। अखबार वाले का घर मुझे मालूम न था। किस से पूछने से पता लग जाएगा यह सोच ही रहा था कि इस बीच भगवान की मेहरबानी से अखबार वाला घर ही आ गया।

पाठ 10



I.



II.

क्ष त्र ज्ञ

III.

क्ष त्र ज्ञ

IV.

क्ष+ा+क्षा त्र+ा=त्रा ज्ञ+ा=ज्ञा
क्ष+ु=क्षु त्र+ु=त्रु
क्ष+ि=क्षि त्र+ि=त्रि
क्ष+ी=क्षी त्र+ी=त्री
क्ष+े=क्षे त्र+े=त्रे ज्ञ+े=ज्ञे

क्षण कक्षा क्षीण क्षेम समक्ष पक्षी

अक्षर त्रास मात्रा त्रिकोण यात्री

पत्र क्षत्रिय ज्ञान अज्ञात विज्ञान

विज्ञ ज्ञापन ज्ञान-विज्ञान अज्ञेय

क्षण कक्षा क्षीण क्षेम सक्षम पक्षी अक्षर त्रास मात्रा
त्रिकोण यात्री पत्र क्षत्रिय ज्ञान अज्ञान विज्ञान विज्ञ ज्ञापन

ज्ञान विज्ञान
ज्ञापन पत्र
अज्ञान यात्री
धूमिल अक्षर
शिक्षक ने छात्र को क्षमा किया ।

पाठ 11

ं ँ ः ़

I. र – रं क – कं का – काँ आ – आँ

न – नः त – तः ज – ज़ खा – ख़ा

II. रग–रंग कटक–कंटक काटा–काँटा आधी–आँधी

गरज–गरज़ खाना–ख़ाना

III.

रं रं रं कं कं कं काँ काँ

आँ आँ आँ ज़ ज़ ज़ ख़ ख़ ख़

फ़ फ़ फ़ ः ः ः

IV.

अ —	∅	(क ⟶ क)
आ —	ा	(क + आ — का)
इ —	ि	(क + इ — कि)
ई —	ी	(क + ई — की)
उ —	ु	(क + उ — कु)
ऊ —	ू	(क + ऊ — कू)
ऋ —	ृ	(क + ऋ — कृ)
ए —	े	(क + ए — के)
ऐ —	ै	(क + ऐ — कै)
ओ —	ो	(क + ओ — को)
औ —	ौ	(क + औ — कौ)

कद कंद वश वंश हिंदी बिंदी

कंबल संसार अंधकार माँ कहाँ

वहाँ यहाँ बाँट अँधेरा प्रायः नम

नमः सज़ा ज़िला फ़ायदा ख़ान

ख़ान ख़ैर फलक ज़ुकाम

कद कंद वश वंश हिंदी बिंदी कंबल संसार अंधकार
माँ कहाँ वहाँ यहाँ बाँट अँधेरा प्रायः नम नमः सज़ा
ज़िला फ़ायदा खान ख़ान खैर फलक बैंक पूँजी संसद

मैं एक दिन प्रातःकाल अपने गाँव से बाहर जा रहा था। अभी अंधकार छाया हुआ था। मैं तेज़ रफ़्तार से कदम बढ़ा रहा था। जोर जोर की हवाएँ चलने लगीं। इस बीच आँधी आयी, और जोर की बारिश होने लगी। आँधी और बारिश से बचने के लिए मैंने पास वाले एक गाँव में जाकर शरण ली। आँधी के रुकने के बाद जब बारिश भी थम गयी तब मैं अपने गाँव वापस लौट पड़ा।

आज रोकड़िया अवकाश पर हैं। इसलिए आप के बिल का भुगतान नहीं होगा। आप कृपया कल आइए। कल ज़रूर भुगतान किया जाएगा।

पाठ 12

ख—ख्	च—च्	त—त्	थ—थ्
न—न्	ध—ध्	व—व्	स—स्
प—प्	ब—ब्	भ—भ्	म—म्
य—य्	ल—ल्	श—श्	ष—ष्

II.

ख+य=ख्य	ग+य=ग्य	च+च=च्च	च+छ=च्छ
त+क=त्क	त+त=त्त	त+थ=त्थ	त+प = त्प
त+म=त्म	त+य=त्य	त+व=त्व	त+स = त्स
थ+व=थ्व	ध+य=ध्य	ध+व=ध्व	न+थ = न्थ
न+द=न्द	न+न=न्न	न+म=न्म	न+य = न्य
व+य=व्य	स+व=स्व	प+प=प्प	प+य = प्य
प+स=प्स	ब+द=ब्द	ब+य=ब्य	ब+ल =ब्ल
भ+य=भ्य	म+म=म्म	म+ह=म्ह	य+य = य्य
ल+ज=ल्ज	ल+य=ल्य	ल+ल=ल्ल	व+य =व्य
श+क=श्क	श+च=श्च	श+म=श्म	श+य =श्य
श+व=श्व	ष+ट =ष्ट	ष+ण =ष्ण	ष+य =ष्य
स+क=स्क	स+ट =स्ट	व+य =व्य	स+न =स्न
स+य=स्य	स+ल=स्ल	स+स =स्स	

III.

ख्याति ग्यारह बच्चा अच्छा

उत्कल पत्ता पत्थर आत्मा त्याग

तत्पर महत्व तत्व उत्सव पृथ्वी

व्याप्त माध्यम पन्थ अन्धकार

जन्म न्याय स्वप्न चप्पल शब्द

अप्सरा ब्याज ब्लाउज़ अम्मा

तुम्हारा शय्या बाल्टी कल्याण नब्बे

अल्ला व्यवहार इश्क पश्चात श्याम

श्मशान विश्वास कष्ट पृष्ठ कृष्ण

स्कूल स्टेशन व्यस्त स्नान स्पष्ट

IV. ख्याति ग्यारह बच्चा अच्छा उत्कल पत्ता पत्थर आत्मा त्याग तत्पर महत्व तत्व उत्सव पृथ्वी माध्यम पन्थ अन्धकार जन्म न्याय व्याप्त स्वप्न चप्पल अप्सरा शब्द ब्याज ब्लाउज़ अम्मा तुम्हारा शय्या बाल्टी कल्याण अल्ला व्यवहार नब्बे इश्क पश्चात श्मशान श्याम विश्वास कष्ट पृष्ठ कृष्ण स्कूल स्टेशन व्यस्त स्नान स्पष्ट स्याही स्लेट गुस्सा

पुस्तकालय शायद हमारी जिंदगी का अभी एक ऐसा हिस्सा नहीं बन पाये हैं जैसा कि उन्हें होना चाहिए। विदेशी संस्थाओं द्वारा खोले गये पुस्तकालय काफ़ी आधुनिक किस्म की सुविधाओं से लैस होते हैं, जो अभी हमारे यहाँ के आम पुस्तकालयों में उपलब्ध नहीं है। देश में पुस्तकालय आंदोलन को अधिक जागरूक और व्यापक बनाने के लिए हमें कई तरह नयी जानकारियों को भी ध्यान में रखना होगा।

पाठ 13

I.

क – क्	फ – फ्		
ट – ट्	ठ – ठ्	ड – ड्	द – द्
ह – ह्	र – ॅ ^ ⁄		

II.

ट+ट=ट्ट	ट+ठ=ट्ठ	ट+य=ट्य	ठ+य=ठ्य
ड+ड=ड्ड	ड+ढ=ड्ढ	द्+घ=द्घ	द+द=द्द
द्+ध=द्ध	द+म=द्म	द्+य=द्य	द+व=द्व
ह्+ण=ह्ण	ह्+न=ह्न	ह्+व=ह्व	र+ख=र्ख
र+ग =र्ग	र+घ=र्घ	र+च=र्च	र+ज=र्ज
र+ण=र्ण	र+त =र्त	र+थ =र्थ	र+द= र्द
र+प =र्प	र+म =र्म	र+य =र्य	र+व =र्व
र+श=र्श	र+स =र्स	क+क=क्क	क+ख=क्ख
क+त=क्त	क+म=क्म	क+य=क्य	क+श=क्श
फ+त=फ्त			

III.

पक्का मक्खन भक्त हुक्म वाक्य

टट्टू चिट्ठी ट्यूशन पाठ्य अड्डा

बुड्ढा उद्घाटन उद्देश्य युद्ध

पद्म विद्या विद्वान अपराह्न

चिह्न आह्वान विह्वल मूर्ख वर्ग

दीर्घ चर्चा निर्जन वर्णन कर्ता अर्थ

दर्द पर्यटन गर्व फ़र्श नर्स प्रमाण

ब्रह्मा श्रम क्रम द्रव ट्राम ड्रामा सहस्त्र

गर्मी शर्म कार्य पर्याय रिक्शा

टट्टू चिट्ठी ट्यूशन पाठ्य अड्डा बुड्ढा उद्घाटन उद्देश्य युद्ध पद्म विद्या विद्वान अपराह्न चिह्न आह्वान विह्वल मूर्ख वर्ग दीर्घ चर्च निर्जन वर्णन कर्ता अर्थ दर्द पर्यटन गर्व फ़र्श नर्स प्रमाण ब्रह्मा श्रम क्रम द्रव ट्राम गर्मी शर्म कार्य पर्याय पक्का मक्खन भक्त हुक्म वाक्य रिक्शा परीक्षा

भारत में अनेक प्रकार के रंग-बिरंगे पक्षी मिलते हैं। मोर राष्ट्रीय पक्षी है। अनेक दूसरे पक्षी जैसे तीतर, बतख, मैना, लम्बी पूँछ वाले छोटे तोते, कबूतर, सारस और बगुले आदि जंगलों में पाये जाते हैं। नदियों और झीलों में मगरमच्छ और घड़ियाल मिलते हैं और अनेक स्रोत शिकारी मछलियों से भरपूर हैं। अन्य देशों की तरह जनसंख्या वृद्धि और जंगलों की बराबर बढ़ती कमी ने भारत में भी जीव-जन्तुओं को प्रभावित किया है। भारत सरकार ने इस राष्ट्रीय विरासत की सुरक्षा को ध्यान में रख, भारतीय वन्य प्राणी बोर्ड स्थापित किया है।

पाठ 14

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ अं अः

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ ड़ ढ़ ज़ फ़

पाठ 15

कारखानों में काम की शर्तें फैक्टरी अधिनियम के द्वारा नियमित की जाती हैं। इस अधिनियम के अनुसार प्रौढ़ श्रमिकों के लिए सप्ताह में अड़तालीस घंटे काम के लिए निश्चित हैं, एवं किसी भी कारखाने में चौदह साल से कम उम्र के बच्चों को काम पर लगाने की मनाही है। अधिनियम के अन्तर्गत रोशनी, साफ़ हवा, सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा कल्याण सेवा के न्यूनतम मानक भी निश्चित हैं जिन्हें मालिकों को अपने कारखानों में पालन करना पड़ता है। जिन कारखानों में ढाई सौ से अधिक व्यक्ति काम करते हैं, वहाँ श्रमिकों के लिए आवश्यक सुविधाओं से युक्त कैण्टीनों की भी व्यवस्था उन्हें करनी पड़ती है।

पाठ 16

भारत में पर्यटन की बहुत गुंजाइश है। यह ऐसा देश है जहाँ प्राचीन सभ्यता और वास्तुकला की बहुमूल्य कृतियों, प्राकृतिक सौंदर्य वैभिन्य और विस्मय का बाहुल्य है। पर्यटन विभाग के पास देश में क्षेत्रीय कार्यालयों की एक कड़ी है और विदेशों में भी अनेक कार्यालय हैं। बम्बई कलकत्ता, दिल्ली और मद्रास में क्षेत्रीय कार्यालय और आगरा, औरंगाबाद, कोच्चिन, जयपुर, जम्मू, खजुराहो और वाराणसी में उप-कार्यालय हैं। ये कार्यालय राज्य सरकारों यात्रा एजेंटों, होटल मालिकों और वाहन परिचालकों के निकट सहयोग से कार्य करतें हैं। विदेशों में भारत के पर्यटक कार्यालय न्यूयार्क, सैनफ्रांसिस्को, शिकागो, मैक्सिको, टोरंटो, लंदन, सिडनी, पेरिस, टोकियो, फ्रांकफुर्ट, जेनेवा, बुसेल्स, स्टाकहोम, मिलाब, सिंगापुर और वियना में हैं।

पाठ 17

आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग अपनी केंद्रीय और क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों, विवरणों और सामयिक मामलों पर विचार-विमर्शों के ज़रिए देश और विदेश में अपने श्रोताओं को सही, उद्देश्यपूर्ण, शीघ्र और भरपूर खबरें देता है। यह राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गतिविधियों और रुझानों पर ध्यान रखता है। यह खेल संबंधी गतिविधियों और ग्रामीण क्षेत्रों से मिलने वाली खबरों को भी उचित महत्व देता है। समाचारों के अतिरिक्त यह प्रभाग संसद समीक्षा वर्तमान की महत्वपूर्ण घटनाओं की पृष्ठभूमि और व्याख्यात्मक वार्ताएँ और तात्कालिक विषयों पर विचार-विनिमर्श प्रस्तुत करता है और उन विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालता है जिन्हें समाचार बुलेटिनों में स्थान देना संभव नहीं होता।